कृपया प्रकाशनार्थ **4 नवंबर 2011**

पेट्रोल की दामवृद्धी से वित्तिय अराजकता होगी : राम नाईक

मुंबई, शुक्रवार: ''बार-बार पेट्रोल के दाम बढा कर प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह की सरकार देश में वित्तिय अराजकता पैदा कर रही है. पिछले हप्ते में ही घोषित किया महंगाई सूचकांक भी इस वर्ष का उच्चांक है. साथ ही साथ रिजर्व बैंक ने इस वर्ष लगातार 12 वी बार व्याज दर भी बढा कर आम आदमी का जिना मुश्किल कर दिया है'', ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने कल हुई पेट्रोल दाम वृद्धी के बाद की.

''प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह व योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री. मोन्टेक सिंह यह दोनो ही 'वित्ततज्ञ' माने जाते हैं. किंतु लगता है कि इनका यह ज्ञान 'किताबी' है. अन्यथा आम आदमी को लगनेवाले पेट्रोल का दाम प्रति लीटर रु. 73.81 और रईसों के हवाई जहाज का इंधन एटीएफ उससे रु. 12 से सस्ता याने प्रति लीटर रु.61.98 कैसे हो सकता है?'', ऐसा सवाल भी श्री. राम नाईक ने किया.

कांग्रेस सरकार ने हाल ही में नए सिरे से गरीबी रेखा की सीमी निर्धारित की है. उसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में रहनेवाले आम आदमी ने अपने परिवार की गुजारिश प्रति दिन रु. 26 में तो शहरी क्षेत्र में प्रति दिन रु. 32 में करनी चाहीए ऐसा कांग्रेस सरकार मानती है. पेट्रोल के आसमान छूते दाम, बढती महंगाई और बढा हुआ व्याज दर इन सबके चलते आम आदमी जिये तो कैसे जिए?, ऐसा सवाल करते हुए श्री. राम नाईक ने चेतावनी दी कि सरकार पेट्रोल की दाम वृद्धी वापस ले अन्यथा जनता के क्रोध के लिए तैयार रहें.

(कार्यालय मंत्री)